कृषि और जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) जी, हां।

(ख) से (घ) इस परियोजना को कम लाभ लागत अनुपात एवं अन्तर्राज्यीय मुद्दों के समाधान न होने के कारण अनुमोदित नहीं किया गया था। उत्तर प्रदेश सरकार से संशोधित परियोजना रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

Fall in Ground Water Level

2628. SHRI AMAR SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that underground water level has been falling at the rate of 40 to 50 cm. annually in certain districts of Punjab for the last more than 15 years;

(b) if so, what are the details thereof and the names of districts which have witnessed major fall in the water level;

(c) whether any survey has been carried out in the neighbouring States of Haryana, Himachal Pradesh and Western U.P. in this regard and if so, the details thereof; and

(d) what is Government's reaction in regard to the constant decline in the water level?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND WATER RESOURCES (SHRI SOMPAL): (a) and (b) Long term observations made by Central Ground Water Board have shown a decline in ground water level at the rate of 40 to 50 cm. annually in some districts of Punjab. District-wise details of decline in the level of ground water are given in the enclosed Statement (*See* below).

(c) The Central Ground Water Board has carried out survey about fall in the level of ground water in the neighbouring States of Haryana, Himachal Pradesh and Western Uttar Pradesh. It is observed that there is a decline of more than 40 cm per year in the level of ground water in certain parts of the districts of Ambala, Panchkula, Bhiwani, Faridabad, Gurgaon, Hissar, Jind, Karnal, Panipat, Kaithal, Kurukshetra, Mahendragarh, Rewari, Rohtak, Sirsa, Sonepat and Yamunanagar of Haryana. In Western Uttar Pradesh decline at the rate of 40 to 60 cm has been observed in certain parts of the districts of Agra, Bareilly, Etah, Ghaziabad, Mathura and Shahjahanpur. However, there is no significant fall of ground water level in Himachal Pradesh.

(d) The steps taken by the Government to check the declining trend in ground water level include:—

(i) Constitution of Central Ground Water Authority under the Environment (Protection) Act, 1986 for regulation and control of ground water management and development.

(ii) Circulation of a Model Bill to all the States/Union Territories to enable them to enact suitable legislation for regulation and control of ground water development.

(iii) Circulation of Manual on artificial recharge of ground water to the States/Union Territories to enable them to formulate area specific artificial recharge schemes to check the declining trend in ground water level.

(iv) Implementation of a Central Sector Scheme on studies in artificial recharge of ground water in some "over-exploited' and "Dark' blocks of the country.

Statement

District-wise details of decline in ground water level in Punjab.

Sl.No.	District	Decline of water levels per year in Punjab		
		40 cm	20-40 cm	upto 20 cm
01	Kapurthala	—	Dhilwan	Bholath, Nadala Kapurthala, Sultanpur, Lohian, Phagwara
02	Jalandhar	—	Nakodar, Shahkot Nurmahal	Bhogpur, Jalandhar West, Jalandhar East, Adampur
03	Nawanshahar	—	—	Aur, Banga, Nawanshahar, Saroya

Sl.No.	District	Decline of water levels per year in Punjab		
		40 cm	20-40 cm	upto 20 cm
04	Ludhiana	—	Pakhowal Dehlon	Mangat, Samrala, Doraha, Madhhiwara
05	Sangrur	Dhuri, Malerkotla Ahemadgarh	Sangrur, Barnala, Sunam	—
06	Fatehgarh Sahib	—	Sirhind, Amloh, Khera, Khamanon Bassi Pathana	—
07	Patiala	—	Bhunerheri, Patiala, Sanaur, Rajpura, Ghanaur Samana, Nabha, Patran	—
08	Ropar	—	—	Chamkaur Sahib
09	Gurdaspur	—	—	Gurdaspur, Kalanaur, Dhariwal, Dinanagar, Kahnuwan Batala, Sri Harigobindpur, Qadian, Dera Baba Nanak.
10	Amritsar	—	Patti, Valtoha, Bhikhiwind, Naushera Panuan	Taran Taran, Khadur Sahib, Jandiala Guru, Verka, Majitha, Tarsika, Rayya, Khadur Sahib, Gandiwind

उत्तर प्रदेश में भूमिगत जल स्तर

2629. **श्री मुनव्वर हसन:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में भूमिगत जल स्तर में गिरावट के संबंध में कोई सघन सर्वेक्षण किया है;

(ख) यदि हां, तो सत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने राज्य के कुछ क्षेत्रों में पेयजल की समस्या और सिंचाई के संसाधनों की कमी का समाधान करने के लिए कोई योजना बनाई है; और

(घ) क्या सरकार ने राज्य के सूखाग्रस्त जिलों में पेयजल की अत्यधिक कमी को दूर करने के लिए कोई आधुनिक तकनीक अपनाने के संबंध में कोई निर्णय किया है?

कृषि और जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) और (ख) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड द्वारा किए गए दीर्घावधि प्रेक्षणों से यह पता चला है कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के कुछ भागों में भू जल के स्तरों में प्रतिवर्ष 20 से 65 सेमी. की गिरावट आयी है। भू-जल स्तर में गिरावट का जिलावार विस्तृत विवरण संलग्न विवरण में दिया गया है । (नीचे देखिए)

(ग) और (घ) उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि वह राज्य में पेय जल की कमी को दूर करने के लिए भारत-डच सहायता प्राप्त स्कीम, न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम, त्वरित ग्रामीण पेय जल आपूर्ति स्कीम, खराब जल वाले रिहायशी क्षेत्रों में पेय जल स्कीम, त्वरित शहरी जल आपूर्ति स्कीम, अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के लिए पेय जल स्कीम जैसी विभिन्न स्कीमों को कार्यान्वित कर रही है। इसके अतिरिक्त, राज्य के सूखा प्रभावित जिलों में पेय जल की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य सरकार ने हैंड पंप लगाने, क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों के नवीकरण एवं पंप द्वारा जल आपूर्ति के प्रावधान जैसे उपायों को अपनाया है। केन्द्रीय भू-जल बोर्ड दूरस्थ संवेदी एवं भू भौतिकी तकनीकी के माध्यम से भू जल की उपलब्धता एवं उपस्थिति का पता लगा रहा है।

जहां तक सिंचाई परियोजनाओं का संबंध है, राज्य सरकार ने सूचित किया है कि सरयू नहर परियोजना, सरदार सहायक परियोजना, कन्हर परियोजना, मौदाहा बांध, गुंटा नाला बांध, पथराई बांध, राजघाट नहर, जखलान पंप एकत्र एवं चरखारी दल परियोजना नामक परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है।